Committee on Petroleum and Chemicals on action taken by Government on the recommendations contained in the Fourth Report of the Committee (Tenth Lok Sabha) on 'Exploration, Production, Distribution and Conservation of Oil and Gas'

Motion for election to the Coir Board

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI M. ARUNACHALAM): Madam, Deputy Chairman, I beg to move the following Motion:—

> "That in pursuance of clause (e) of sub-section (3) of section 4 of the Coir Industry Act, 1953 (45 of 1993), read with clause (e) of sub-rule (1) of rule 4 and sub-rule (1) of rule 5 of the Coir Industry Rules, 1954, this House do proceed to elect, in such manner as the Chairman may direct, one member from among the members of the House to be a Member of the Coir Board.'

THE QUESTION WAS PUT AND THE MOTION WAS ADOPTED

Re. Seeking clarification on deferring the Motion of Thanks to the President's Address

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, Mr. Salim, what is your problem? . . (*Interruptions*)... He has a problem about the Revised List of Business. Let me find out.

SHRI MD. SALIM (West Bengal): Madam, today's Revised List of Business, as circulated by the Secretary-General mentions about a Statutory Resolution and Legislative Business, but then there is omission of the discussion regarding the Motion of Thanks to the President's Address. Madam, if you go through the Rules of Procedure, Rule 17(1) says that precedence over the discussion can be given only by consultation with the leaders, the BAC or through a motion. For the last several days it has been circulated that the motion of Thanks was to be discussed. Now all of a sudden they have included the Budget (General) discussion, without taking into confidence the House the BAC or the leader of the political parties. Madam, the Parliamentary Affairs Minister in this House is not attending to this. This is an important matter. It relates to the Constitution of India. Will you ask them to be attentive to this matter, Madam?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mrs. Alva and Mr. Matang Sinh, there is something he wants to mention... (*Interruptions*)...

SHRI SATISH AGARWAL (Rajasthan): Mr. Salim is perfectly right. I was also shocked to see the Revised List of Business. How is it possible?... (*Interruptions*)...

SHRI MOHD. SALIM: According to the provisions laid down in the Constitution of India, the House must discuss the Motion of Thanks and then... (*Interruptions*)... In the first amendment made in the Constitution of India... (*Interruptions*)...

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार): जो सवाल सलीम साहब ने उठाया है...

उपसभापति : अभी उन्होंने पूरा उठाया ही नहीं है ।

Let him compete. It is not proper. Procedure-wise also we are wrong sometimes. When a Member is identified and he raises his point, let him complete it. Then you can support him: I would have no objection. But let me understand what he is objecting to and let the Government also understand.

SHRI CHATURANAN MISHRA (Bihar): And no hijacking!

THE DEPUTY CHAIRMAN: And no hijacking in the House!

श्री मोहम्मद सलीम : पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर अभी भी ध्यान नहीं दे रहे हैं जो मैं बोल रहा हूं । विल यू आस्क हिम ?

شری محمد سلیم : پارلیمنٹری افیرس منسٹر ابھی بھی دھیان نہیں دے رہے ہیں جو میں بول رہا ہوں "ول یو آسک ہم"۔

उपसभापति : यस, आप बोलते जाइये मेरे ध्यान में आयेगा । (**व्यवधान**)

श्री मोहम्मद सलीम : हमारे देश में कंस्टीट्यूशन असेम्बली में यह डिसकस हुआ था । पहले तीन साल एसा था

شری محمد سلیم : ہمارے دیش میں کانسٹی ٹیوشنٹ اسمبلی میں یہ ڈسکس ہوا تھا۔ پہلے تین سال ایسا تھا۔

immediately after the Address made by the President, we used to discuss it.

फिर हमने संविधान में संशोधन किया । रूल्स आफ प्रोसिजर के 17(2) में तब्दीली लाये ताकि मैम्बर्स अमेंडमेंट दे सकें और डिसकस कर सकें । इस काम के लिए उनको सुफिशियेंट टाइम मिले । इसलिए किया गया ।

پھر ہم نے سمودھان میں سنشودھن کیا۔ "رولس آف پروسیجر کے (۲) 17 میں تبدیلی لائے تاکہ ممبرس امنڈمنٹ دے سکیں اور ڈسکس کر سکیں اس کام کے لیے ان کو سفیشینٹ ٹائم ملے۔ اس لیے کیا گیا۔

Government business can take precedence over the discussion on the Motion of Thanks..

लेकिन आज हमने यह देखा कि इसम बजट डाल दिया गया है जब कि रूल्स में यह कहा गया है अगर आप देखें

شری محمد سلیم "جاری" : لیکن آج ہم نے یہ دیکھا کہ اس میں بجٹ ڈال دیا گیا ہے جبکہ رولس میں یہ کہا گیا ہے اگر آپ دیکھیں...

Without a specific motion this cannot be done; without consutation with the BAC this cannot be done. I would ask how the Secretary-General has circulated this Revised List of Business without proper consulttaion with the leaders, without proper consultation with the BAC. because this has been circulated by the Secretary-General.

....(*Interruptions*)

श्री दिग्विजय सिंह (बिहार) : हाऊस को प्रोपर कीजिए यह खड़े हो गये हैं... (**व्यवधान**)

श्रीमती सुषमा स्वराज (हरियाणा) : कोई नई परम्परा चलाई जा रही है... (**व्यवधान**)

श्री शंकर दयाल सिंह : उपसभापति महोदया, आपने यह कहा था कि जब सलीम साहब बोल लें तो मुझे बुलाया जायेगा । मैं बड़े ही विनम्र भाव से यह कहना चाहता हूं कि जो रूल्स आफ प्रोसिजर है उसमें साफ दिया हुआ है । उसके बाद भी राष्ट्रपति के भाषण की अवमानना यदि हम कर रहे है तो इसका अर्थ यह होता है कि लोकतंत्र की हम धज्जियां उड़ा रहे हैं । तीन खंडों में इस बार बजट सत्र हो रहा है। एक बार राष्ट्रपति जी का भाषण हुआ और केवल एक दिन के लिए बैठक हुई । गरीब देश के करोड़ों रुपये खर्च हुए । दूसरे खंड की बैठक यह चल रही है और यह 31 तारीख को समाप्त हो रही है । फिर तीसरे खंड की बैठक होगी । लेकिन दुख की बात यह है कि जिस तरह से हमारे पास प्रतिदिन कार्यक्रम आ रहा है, सदन की कार्यसूची आ रही थी उसमें राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद के प्रस्ताव का जिक्र था । उस पर श्री जगन्नाथ मिश्र आरम्भ करने वाले

†[ ]Transliteration in Arabic script.

बोलने वाले थे और उसके बाद जयन्ती नटराजन जी बैठी हुई हैं उनका नाम है उसका समर्थन करने वालों में । मैंने देखा कि राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर... **(व्यवधान)**...जरा ठहरिए, पहले बात कर लीजिए ।

श्रीमती सुषमा स्वराज : इसके मायने यह नहीं हैं कि संविधान की अवमानना सदन में होगी। अगर वे नहीं आ सकते हैं तो कांग्रेस का कोई और सदस्य बोल सकता है । मैं तो यह देखकर चौंक गयी।

SYED SIBTEY RAZI (Uttar Pradesh): Either you keep on speaking on this or you skip to another agenda.

श्री शंकर दयाल सिंह : लोग जब बात कर रहे हैं । न मंत्री सुन रहे हैं और न ... **(व्यवधान)**...

तो मैं यह कहना चाहता हूं कि आखिर लोकतंत्र की गरिमा क्या है । लोकतंत्र की गरिमा जो है वह राष्ट्रपति के अभिभाषण में होती है । यह हमारी एक गरिमा है, परम्परा है । उस गरिमा और परम्परा को खंडित करके गैर-परम्परा का सूत्रपात करके राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर धन्यवाद का प्रस्ताव अभी तक नहीं आया है । एक सप्ताह शेष रह गया है और 31 को सदन समाप्त हो जाएगा । मैं जानना चाहता हूं कि सरकार का इस पर क्या रूख है । मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि चेयर इस पर अपनी रूलिंग दे और सत्ताधारी दल से कहे कि सबसे पहले सदन में राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर धन्यवाद का प्रस्ताव आना चाहिए । उसके बाद ही किसी विषय पर बहस होना चाहिए । ... **(व्यवधान)**

उपसभापति : श्रीमती सुषमा स्वराज । ... **(व्यवधान)**...

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल (उत्तर प्रदेश) : सरकार को इस पर बाकायदा माफी मांगनी चाहिए और आप उनको डाइरेक्शन दें... **(व्यवधान)**...

شری محمد افضل عرف م۔ افضل: سرکار کو اس پر باقاعدہ معافی مانگنی چاہیے اور آپ ان کو ڈائرکشن دیں۔... "مداخلت"...

श्रीमती सुषमा स्वराज : महोदया, पांच मिनट पहले मैंने इस आर्डर पेपर की तरफ झांककर देखा और उसमें देखा कि बजट 1995–96 । मैंने अपने पास बैठे हुए आदरणीय शास्त्री जी से कहा कि यह क्या हुआ । यह सरकार परम्परा का निर्वाह ही नहीं कर रही है । राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद का प्रस्ताव सबसे पहले कार्य सूची में आता है । बजट पर डिसकशन हमेशा बाद में होता है । हमारी कार्य सूची में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर श्री जगन्नाथ मिश्र का नाम आया था । यह कांग्रेस की अपनी मजबूरी हो सकती है क्योंकि जगन्नाथ मिश्र बिहार के चुनाव में उलझे हुए हैं । लेकिन अगर वे इसको शुरू नहीं कर सकते तो यहां पर कांग्रेस के इतने सदस्य बैठे हुए हैं तो क्या कोई और सदस्य राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद का प्रस्ताव नहीं दे सकता ?... **(व्यवधान)**...

SHRI VAYALAR RAVI (Kerala): Madam, I am on a point of order.

THE DEPUTY CHAIRMAN: He is on a point of order.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : सरकार को माफी मांगनी चाहिए । यह हाउस का मजाक है । ... **(व्यवधान)** सरकार को इस पर माफी मांगनी चाहिए। ... **(व्यवधान)**...

شری محمد افضل عرف م۔ افضل: سرکار کو معافی مانگنی چاہیے۔ یہ ہاؤس کا مذاق ہے..... "مداخلت"... سرکار کو اس پر معافی مانگنی چاہیے ... "مداخلت"...

†[ ]Transliteration in Arabic script.

श्रीमती सुषमा स्वराज : महोदया, यह सरकार लोकतांत्रिक संस्थाओं को तोड़ रही है, लोकतंत्र की परम्पराओं को तोड़ रही है ।... (**व्यवधान**)...

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : मिनिस्टर को यहां पर आकर माफी मांगनी चाहिए ।... (**व्यवधान**)...

†شری محمد افضل عرف م۔ افضل : منسٹر کو یہاں پر آکر معافی مانگنی چاہیے... "مداخلت"...

उपसभापति : अफजल जी आप बैठ जाइए । सुषमा जी आप बैठ जाइए । आल्वा जी कुछ बोलना चाहती हैं, उनको बोलने दीजिए । ...(**व्यवधान**)... अफजल जी आपने कह दिया ।... (**व्यवधान**)...

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFARS (SHRIMATI MARGARET ALVA): Madam, there must be some misunderstanding some where. Let me just clarify that the BAC has not allotted the time as yet for the President's Address. It was not brought before the BAC as yet. No time has been allotted for it as yet.

SHRI DIGVIJAY SINGH: Why? (*Interruptions*)

SHRIMATI MARGARET ALVA: Just a minute, please. ..(*Interruptions*)

SHRI DIGVIJAY SINGH: She is the Minister.

SHRIMATI MARGARET ALVA: One minute, please..(*Interruptions*) I will tell you. One minute, please. (*Interruptions*)

---

†[ ]Transliteration in Arabic script.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Dr. Biplab Dasgupta, let her finish. You asked for an explanation from the Government. I think it is in the fitness of things that the Parliamentary Affairs Minister should explain the position. Let her speak.

SHRIMATI MARGARET ALVA: Madam, secondly, I would like to say: please don't get excited. In the other House also there was a request from the leaders that the discussion on the President's Address might be postponed to next week, to which Government agreed. Since normally the President's Address is discussed simultaneously and since in the other House the leaders of parties have agreed to postpone the discussion, we did not want to bring it on the agenda until both the Houses could agree on a common date. That was the request made to us.

Madam, of course, the BAC is meeting today. We are bringing this before the BAC today to finalise the dates and to finalise the time. Therefore, I request the House not to read any motives in this.

Unfortunately, my friend on the other side mentioned that we have postponed it because of Mr. Jagannath Mishra, which is not correct because he is here today. He was to be here for voting also. He is to be in town today. We have had no reason to postpone anything for an individual. Madam, the House is supreme. Let the BAC today decide about the time and dates and we will follow.

SHRI MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL: Then why did you bring in the Budget on the Agenda?

SHRI CHATURANAN MISHRA: Madam, deferred thanks are no thanks.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) : मैडम, जो इधर से कहा गया है और जो पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर साहब ने कहा है उसके बीच में कोई समझौता दिखाई देता है । गलती हुई है, पोस्टपोन करने में नहीं हुई, एजेंडा में बजट को लाने में भूल हुई है । यह स्वीकार कर लें । मेरा निवेदन यह है कि यह जो डेफर हो गया है बिल इसके बाद बिजनेस कुछ नहीं है (**व्यवधान**)

उपसभापति : बिजनेस तो है, बिजनेस बहुत है (**व्यवधान**)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : आप मेरी बात सुन लीजिए । (**व्यवधान**) आप मानें-या न मानें, आप सुनते क्यों नहीं हैं (**व्यवधान**) मेरी रिक्वेस्ट है जो छोटी-मोटी क्लेरिफिकेशंस हैं, वह करने के बाद हाऊस को एडजर्न कर दीजिये कल तक के लिए क्योंकि सामने बिजनेस नहीं है । (**व्यवधान**)

उपसभापति : बिजनेस तो हमारे पास है ।

I can always get a Supplementary List of Business. There is no problem.

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): Madam, Parliament cannot be a mute witness to what is happening in Bihar today.

श्री चतुरानन मिश्र : यह तो हमने सुना था कि पेमेंट डेफर होता है लेकिन थैंक्स भी डेफर होता है ।

Week after week thanks are being deferred.

ऐसा तो कभी नहीं हुआ । मनमोहन सिंह जी पेमेंट डेफर कर सकते हैं लेकिन थैंक्स कैसे डेफर होगा ? थैंक्स तो बराबर रखिये । (**व्यवधान**)

श्री एस०एस० अहलुवालिया (बिहार) : आप लोग डेफर करते हैं (**व्यवधान**)

श्री चतुरानन मिश्र : हम काहे को करते हैं। (**व्यवधान**) आप थैंक्स देना नहीं चाहते है तो हम लोगों को कहिये हम ही मोशन ले आएं (**व्यवधान**)

श्री एस०एस० अहलुवालिया : थैंक्स केवल ट्रेजरी बेंचेज का नहीं होता है, पूरे सदन का होता है (**व्यवधान**)

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): Madam, what is happening in Bihar for the last few weeks? Everything in Bihar came to a grinding halt. The entire transport system has broken down. Prices of essential commodities have skyrocketted. This time the Election Commission has rescheduled elections on the basis of the Governor's report. I would like to know how the Governor could make a report when we have a Chief Minister there?

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली) : चुनाव तो हुए नहीं है (**व्यवधान**) चीफ मिनिस्टर तो कोई है ही नहीं वहां पर (**व्यवधान**) चीफ मिनिस्टर कैसे हो सकता है ? यह केयर टेकर गवर्नमेंट है (**व्यवधान**)

SHRI S. JAIPAL REDDY: So long as there is a Chief Minister, the Governor has no business whatsoever to make a report behind the back of the Chief Minister. (Interruptions)

SHRI GURUDAS DAS GUPTA.**

THE DEPUTY CHAIRMAN: No, Mr. Gurudas Das Gupta. Nothing is going on record. (*Interruptions*) Jaipal Reddy Ji, please sit down. (*Interruptions*). Will you sit down. Again I am repeating that there has to be a proper procedure in the House. As I said, please don't take any names about those people who are not here, in any case those people who are in authority... (*Inter-*

**Not recorded.

*uptions*o Please sit down. I am not allowing. Don't irritate me. Nothing is going on record.

आप बैठिये अफजल साहब । आप बैठिये (व्यवधान) एक मिनट आप बैठ जाइये (व्यवधान) Please sit down. It is not going on record. If you want to discuss anything about any Constitutional post, please bring in a motion, take permission and discuss. Irresponsible statements I am not allowing.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA:**

SHRI S. JAIPAL REDDY:

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA:**

उपसभापति : नाम मत लीजिए (व्यवधान) न अच्छे में और न बुरे में (व्यवधान)

I am not permitting.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA:**

SHRI S. JAIPAL REDDY:**

SYED SIBTEY RAZI (Uttar Pradesh): Madam, we have nothing to do with this. It is between Mr. Laloo Prasad Yadav and the Election Commission. We have to transact our business...(*Interruptions*)..

THE DEPUTY CHAIRMAN: You don't want to hear. You want to defer everything by doing no work. We have business. (*Interruptions*). Okay, the House is adjourned till 4 o'clock.

The House then adjourned at twenty-seven minutes past twelve of the clock.

4.00 P.M.

The House reassembled at four of the clock,

**Not recorded.

The Vice-Chairman (Shri MD. Salim) in the Chair

..Re: Rescheduling of Final Phase of Elections in Bihar.

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh: Mr. Vice-Chairman, Sir, a very extraordinary and unprecedented situation has arise in Bihar. It was on 16th of January that elections in Bihar were notified. Election campaign is supposed to have been going on for ten weeks. I take mercy on the candidates of all parties who not only got broke, but must also have got exhausted. Quite apart from the pitiable plight to which the candidates of all parties have been reduced to, they must take note of the predicament in which the people of Bihar have been finding themselves. For ten weeks thousands of private trucks and buses have been requisitioned by the election machinery in Bihar, as a consequence of which the transport system in Bihar has broken down. On account of the total breakdown of the transport system, the prices of essential commodities are skyrocketting for no fault of Dr. Manmohan Singh. The prices of essential commodities are skyrocketting elsewhere for larger economic reasons, but in Bihar they are skyrocketting because of the total collapse of the system.

Mr. Vice-Chairman, Sir, it is important to note that some of us had been articulating all the apprehensons right since inception. We have been saying that a dark conspiracy has been hatched with a view to allowing the term of the Bihar Assembly expire without holding the elections, with a view to imposing President's Rule in Bihar, and that a Constitutional crisis has been created in Bihar. Can Parliament be a mute spectator to this *tamasha*? This is a tragic *tamash*. This is a comic-tragic situation. We knew that this would be happening and it has all the elements of a great tragedy and what are the elements